a2zpapers.com

Exam. Code : 216302
Subject Code : 5824

M.A. Hindi 2nd Semester

NATAKKAR MOHAN RAKESH

Paper—X : Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— प्रश्न-पत्र **दो** भागों में है। भाग 'क' में पूछे गये प्रश्नों का लघु उत्तर अपेक्षित है। अंक यथास्थान बताए गए हैं। भाग 'ख' के दीर्घ उत्तर अपेक्षित हैं।

भाग—क

उपखण्ड—अ

निम्नलिखित में से किन्हीं चार गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये।

1. पिछले वसन्त आम कैसे बौराये थे ? पेड़ों की डालियां अपने-आप हाथों पर झुक आती थीं। परन्तु तब यहाँ कामोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन किया गया है इस बार जब आम के वृक्षों ने भिक्षुओं का वेश धारण कर रखा है।..... कल प्रातः देवी यशोधरा भिक्षुणी के रूप में दीक्षा ग्रहण करेंगी, और यहाँ रात-भर नृत्य होगा। आपानक चलेगा।

2. उन्होंने बोध प्राप्त किया है, कामनाओं को जीता है ! परन्तु मैं जानना चाहती हूँ कि कामनाओं को जीता जाए, यह भी क्या एक कामना नहीं है ? और ऐसी कामना किसी के मन में क्यों जागती है ?

a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question paper

a2zpapers.com

3. कई-कई दिनों के लिये अपने को उससे काट लेती हूँ। पर धीरे-धीरे हर चीज़ फिर उसी तरह होने लगता है जब तक कि हम..... जब तक कि हम नए सिरे से उसी खोह में नहीं पहुँच जाते। मैं यहां आती हूँ... यहां आती हूँ तो सिर्फ इसीलिये कि..... ।

4. इतने साधारण ढंग से उड़ा देने की बात नहीं है अंकल। मैं यहाँ थी तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूँ, जहाँ.... आप शायद सोच भी नहीं सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ..... मैं तो बयान ही नहीं कर सकती कि कितने-कितने भयानक दृश्य देखे हैं इस घर में मैंने।

5. मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ तुम्हारे साथ उसका इतना ही संबंध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है अपने पर गर्व कर सकता है.... तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी ? फिर कह दो कि यह मेरी नहीं विलोम की भाषा है।

6. उस कटुता को केवल तुम्हीं दूर कर सकती हो मल्लिका ! अवसर किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। कालिदास यहां से नहीं जाते हैं तो राज्य की कोई हाहन नहीं होगी। राजकवि का आसन रिक्त नहीं रहेगा। परन्तु कालिदास जो आज हैं, जीवन भर वही रहेंगे-एक स्थानीय कवि। जो लोग आज ऋतुसंहार की प्रशंसा कर रहे हैं, वे भी कुछ दिनों में उन्हें भूल जाएंगे।

$6 \times 4 = 24$

उपखण्ड—आ

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. नाटककार के रूप में मोहन राकेश के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिये।

2. 'आषाढ़ का एक दिन' में कालिदास के अंतर्द्वन्द्व को चित्रित कीजिये।

a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers

a2zpapers.com

3. 'लहरों के राजहंस' में मोहन राकेश की विचारधारा को स्पष्ट कीजिये।

4. आधे-अधूरे की रंगमचीयता पर प्रकाश डालिये।

5. आधे-अधूरे की कथ्य चेतना पर प्रकाश डालिये।

6. लहरों के राजहंस के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिये।

6×4=24

भाग—ख

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य चेतना बताइए।

2. 'आधे-अधूरे' समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़ है — सिद्ध कीजिये।

a2zpapers.com

3. 'आषाढ़ का एक दिन' का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य बताइए।

16×2=32

a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question paper